Weekly Current Affairs
8th – 13th August 2021
साप्ताहिक करंट अफेयर्स 8-13 अगस्त 2021

Important News: India

भारत पहली बार 'इंटरनेट गवर्नेंस फोरम' की मेजबानी करेगा

चर्चा में क्यों?

- **इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय** ने घोषणा की कि भारत पहली बार **इंडिया इंटरनेट गवर्नेंस फोरम (IIGF) 2021** की मेजबानी करेगा।
- 20 अक्टूबर, 2021 से तीन दिनों के लिए इसकी योजना बनाई जाएगी।

प्रमुख बिंदु

- इस वर्ष की बैठक का **विषय 'डिजिटल इंडिया के लिए समावेशी इंटरनेट'** है।

नोट: भारत, विश्व का दूसरा सबसे बड़ा ब्रॉडबैंड सदस्यता वाला देश होने के साथ-साथ प्रति उपयोगकर्ता प्रतिमाह सबसे अधिक डेटा की खपत करने वाला देश है।

इंटरनेट गवर्नेंस फोरम (IGF) के बारे में:

- यह इंटरनेट गवर्नेंस के मुद्दों पर नीतिगत संवाद के लिए एक बहु-हितधारक शासन समूह है।
- IGF की स्थापना की औपचारिक घोषणा **संयुक्त राष्ट्र महासचिव** द्वारा जुलाई 2006 में की गई थी।

स्रोत: PIB

काकोरी षडयंत्र का नाम बदलकर काकोरी ट्रेन कार्यवाही

चर्चा में क्यों?

- उत्तर प्रदेश सरकार ने **काकोरी ट्रेन षड्यंत्र (काकोरी काण्ड)** का नाम बदलकर **काकोरी ट्रेन कार्यवाही** कर दिया है।

प्रमुख बिंदु

काकोरी ट्रेन कार्यवाही के बारे में:

- काकोरी ट्रेन कार्यवाही एक ट्रेन डकैती थी जो 9 अगस्त 1925 को ब्रिटिश राज के खिलाफ भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान लखनऊ के पास काकोरी गांव में हुई थी।

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

- डकैती का आयोजन **हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन (HRA)** द्वारा किया गया था।
- 19 दिसंबर, 1927 को स्वतंत्रता सेनानी राम प्रसाद बिस्मिल, अशफाकउल्ला खान और रोशन सिंह को डकैती में शामिल होने के आरोप में फांसी पर लटका दिया गया था।

हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन (HSRA) के बारे में:

- HSRA एक क्रांतिकारी संगठन था, जिसकी स्थापना राम प्रसाद बिस्मिल, सचिंद्र नाथ बख्शी, सचिंद्रनाथ सान्याल और जोगेश चंद्र चटर्जी ने की थी।
- पहले, इसे **हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन (HRA)** के रूप में जाना जाता था।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

प्रधानमंत्री ने PM-KISAN (पीएम-किसान) की 9वीं किस्त जारी की

चर्चा में क्यों?

- **प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी** ने **प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि** (**PM-KISAN**) के तहत वित्तीय लाभ की **9वीं किस्त** जारी की।
- कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने किसान लाभार्थियों से बातचीत भी की।
- 19,500 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि, 9.75 करोड़ से अधिक लाभार्थी किसान परिवारों को अंतरित की गई।

प्रमुख बिंदु

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (PM-KISAN) के बारे में:

- यह भारत सरकार की एक पहल है जिसमें सभी किसानों को न्यूनतम आय सहायता के रूप में प्रति वर्ष ₹6,000 (3 समान किश्तों में) तक मिलता है।
- PM-KISAN को कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा क्रियान्वित किया जा रहा है।
- यह केंद्र सरकार से 100% वित्त पोषण के साथ एक केंद्रीय क्षेत्र की योजना है।

नोट: 24 फरवरी 2019 को, नरेंद्र मोदी ने उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में एक करोड़ से अधिक किसानों को ₹2,000 की पहली किस्त हस्तांतरित करके इस योजना की शुरुआत की थी।

प्रधानमंत्री का संबोधन:

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

- प्रधानमंत्री ने खाद्य तेल में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने के लिए एक दृढ़संकल्प के रूप में **राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन-ऑयल पाम** यानी NMEO-OP पर प्रकाश डाला।
- **राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन-ऑयल पाम मिशन** के जरिए खाद्य तेल से जुड़ी समग्र व्यवस्था में 11,000 करोड़ रुपये से भी अधिक का निवेश किया जाएगा।
- एक लाख करोड़ रुपये की निधि वाली **किसान इंफ्रास्ट्रक्चर फंड** की योजना को भी एक साल पूरा हो गया है।
- **शहद मिशन** की वजह से 700 करोड़ रुपये के शहद का निर्यात हुआ है, जिससे किसानों को अतिरिक्त आय हुई है।
- अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने कहा कि 2047 में, जब देश अपनी आजादी के 100 वर्ष पूरे करेगा, भारत की स्थिति को निर्धारित करने में हमारी कृषि और हमारे किसानों की बड़ी भूमिका होगी।

किसानों के लिए अन्य पहलें:

- प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना
- परम्परागत कृषि विकास योजना
- सतत कृषि के लिए राष्ट्रीय मिशन
- प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना
- राष्ट्रीय कृषि विकास योजना
- पोषक तत्व आधारित सब्सिडी कार्यक्रम

नोट: पिछले 25 वर्षों (1995 से) में विश्व कृषि व्यापार के रुझानों पर, **विश्व व्यापार संगठन (WTO)** की एक रिपोर्ट के अनुसार 2019 में, **भारत वैश्विक कृषि निर्यात में 3.1% की हिस्सेदारी के साथ 9वें स्थान** पर रहा।

स्रोत: PIB

पीएम-दक्ष (PM-DAKSH) पोर्टल

चर्चा में क्यों?

- **केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता** मंत्री डॉ वीरेंद्र कुमार ने **सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय** द्वारा **राष्ट्रीय ई-अभिशासन प्रभाग** के सहयोग से विकसित **'पीएम-दक्ष' पोर्टल और 'पीएम-दक्ष' मोबाइल ऐप** का शुभारंभ किया।

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

- यह पोर्टल कौशल विकास योजनाओं को **अनुसूचित जातियों, पिछड़े वर्गों और सफाई कर्मचारियों** के लक्षित समूहों के लिए सुलभ बनाता है।

प्रमुख बिंदु

पीएम-दक्ष योजना के बारे में:

- **प्रधानमंत्री दक्षता और कुशलता संपन्न हितग्राही (पीएम-दक्ष) योजना** सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा वर्ष 2020-21 से चलाई जा रही है।
- इस योजना के तहत पात्र लक्षित समूह को कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम (i) अप-स्किलिंग/री-स्किलिंग (ii) अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम (iii) दीर्घकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम और (iv) उद्यमिता विकास कार्यक्रम के जरिये उपलब्ध कराया जा रहा है।
- ये प्रशिक्षण कार्यक्रम सरकारी प्रशिक्षण संस्थानों, कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय द्वारा गठित क्षेत्रीय कौशल परिषदों और अन्य प्रामाणिक संस्थानों के माध्यम से कार्यान्वित किए जा रहे हैं।

कार्यान्वयन:

- सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के तहत **तीन शीर्ष निकाय - राष्ट्रीय अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम, राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग वित्त एवं विकास निगम और नेशनल सफाई कर्मचारी फाईनेंस एंड डेवलेपमेंट कारपोरेशन** इस योजना को लागू कर रहे हैं।

कौशल विकास प्रशिक्षण की स्थिति:

- अभी तक उपलब्ध सूचना के अनुसार इन तीन शीर्ष निगमों द्वारा पिछले पांच वर्षों में लक्षित समूहों के **2,73,152 व्यक्तियों** को कौशल विकास प्रशिक्षण दिया गया है।
- **वर्ष 2021-22 के दौरान** उपरोक्त तीन शीर्ष निकायों के माध्यम से लक्षित समूहों के **लगभग 50,000 लोगों** को कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान करने का लक्ष्य रखा गया है।

कौशल विकास से संबंधित पहलें:

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

- राष्ट्रीय कैरियर सेवा परियोजना
- प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना 3.0
- आजीविका के लिए कौशल अधिग्रहण और ज्ञान जागरूकता
- आत्मानिभर कुशल कर्मचारी नियोक्ता मानचित्रण
- शिक्षुता और कौशल में उच्च शिक्षा युवाओं के लिए योजना

स्रोत: PIB

प्रमुख प्रशासनिक सुधार

चर्चा में क्यों?

- केंद्र सरकार ने हाल के वर्षों में लागू किए गए प्रशासनिक सुधारों की जानकारी दी।
- प्रशासनिक सुधार एक सतत प्रक्रिया है और सरकार **"न्यूनतम सरकार-अधिकतम शासन"** का पालन करती है।
- प्रशासनिक सुधारों का उद्देश्य अधिक दक्षता, पारदर्शी और भ्रष्टाचार मुक्त शासन, जवाबदेही को प्रोत्साहित किया जा सके और विवेक के दायरे को कम किया जा सके।

प्रमुख बिंदु

- **"मिशन कर्मयोगी" सिविल सेवा क्षमता निर्माण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम (NPCSCB):** सिविल सेवा क्षमता निर्माण के लिए एक नयी राष्ट्रीय व्यवस्था शुरू की गई है। यह कुशल सार्वजनिक सेवा देने के लिए व्यक्तिगत, संस्थागत और प्रक्रिया स्तरों पर क्षमता निर्माण तंत्र का व्यापक सुधार है।
- **ई-समीक्षा**- महत्वपूर्ण सरकारी कार्यक्रमों/परियोजनाओं के कार्यान्वयन के संबंध में शीर्ष स्तर पर सरकार द्वारा लिए गए निर्णयों की निगरानी और अनुवर्ती कार्रवाई के लिए एक वास्तविक समय ऑनलाइन प्रणाली।
- **ई-ऑफिस**- ई-ऑफिस मिशन मोड प्रोजेक्ट को मजबूत किया गया है ताकि मंत्रालयों/विभागों को कागज रहित कार्यालय में बदलने और कुशल निर्णय लेने में सक्षम बनाया जा सके।

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

- **नागरिक चार्टर-**सरकार ने सभी मंत्रालयों/विभागों के लिए नागरिक चार्टर अनिवार्य कर दिए हैं जिन्हें नियमित आधार पर अद्यतन और समीक्षा की जाती है।
- **सुशासन सूचकांक 2019**- शुरू किया गया था, यह शासन की स्थिति और राज्य सरकार और केंद्र शासित प्रदेशों (UT) द्वारा उठाए गए विभिन्न कदमों के प्रभाव का आकलन करता है।
- **ई-गवर्नेंस पर राष्ट्रीय सम्मेलन** - सरकार को ई-गवर्नेंस पहल से संबंधित अनुभवों का आदान-प्रदान करने के लिए उद्योग और शैक्षणिक संस्थानों के विशेषज्ञों और बुद्धिजीवियों के साथ जुड़ने के लिए एक मंच प्रदान करता है।
- **राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस सेवा वितरण का मूल्यांकन**- का उद्देश्य ई-गवर्नेंस सेवा वितरण की दक्षता पर राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों और केंद्रीय मंत्रालयों का आकलन करना है।
- **केंद्रीकृत लोक शिकायत निवारण और निगरानी प्रणाली (CPGRAMS)-**सरकार सर्वाधिक शिकायत प्राप्त करने वाले मंत्रालयों/विभागों में CPGRAMS सुधार कर रही है ताकि इससे प्रश्नावली निर्देशित पंजीकरण प्रक्रिया को सक्षम बनाया जा सके और शिकायतों को क्षेत्र स्तर के अधिकारियों को स्वत: अग्रेषित करने (भेजने) की सुविधा प्रदान की जा सके जिससे शिकायत के निवारण समय में कमी लाई जा सके।
- 2014 में और उसके बाद 2020 में **'लोक प्रशासन में उत्कृष्टता के लिए प्रधानमंत्री पुरस्कार'** योजना का व्यापक पुनर्गठन।

प्रशासनिक सुधार आयोग (ARC) के बारे में:

- यह भारत की लोक प्रशासन प्रणाली की समीक्षा के लिए सिफारिशें देने के लिए भारत सरकार द्वारा नियुक्त समिति है।
- **पहला ARC** 5 जनवरी, 1966 में स्थापित किया गया था।
- प्रशासनिक सुधार आयोग की अध्यक्षता शुरू में मोरारजी देसाई ने की थी, और बाद में के हनुमंतैया इसके अध्यक्ष बने।
- **दूसरा ARC** वीरप्पा मोइली की अध्यक्षता में जांच के लिए एक आयोग को 31 अगस्त 2005 को गठित किया गया था।

स्रोत: PIB

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

बांध पुनर्वास और सुधार परियोजना का दूसरा चरण (ड्रिप फेज-2)

चर्चा में क्यों?

- भारत सरकार ने **ड्रिप फेज-2** के लिए विश्व बैंक के साथ **250 मिलियन डॉलर** के ऋण समझौते पर हस्ताक्षर किए।

प्रमुख बिंदु

बांध पुनर्वास और सुधार परियोजना (ड्रिप फेज-2) के दूसरे चरण के बारे में:

- ड्रिप फेज-2 बाह्य सहायता प्राप्त ड्रिप फेज-2 और फेज-3 का पहला चरण है, जिसे भारत सरकार द्वारा अक्टूबर 2020 में अनुमोदित किया गया है।
- इस योजना में 19 राज्यों और 3 केन्द्रीय एजेंसियों की भागीदारी है।
- दोनों चरणों के लिए बजट का खर्च 10,211 करोड़ रुपये है, जिसके कार्यान्वयन की अवधि 10 वर्ष है।
- इस योजना को दो चरणों में लागू किया जाएगा, दो वर्ष के ओवरलैप के साथ प्रत्येक चरण की अवधि 6 वर्ष है।
- **उद्देश्य:** यह नई योजना सुरक्षा एवं परिचालन निष्पादन में सुधार, विभिन्न उपायों के माध्यम से संस्थागत सुदृढ़ीकरण, बांधों के चिरस्थायी संचालन एवं रखरखाव के लिए आकस्मिक राजस्व उत्पादन आदि करने हेतु विभिन्न समस्याओं का समाधान करके चयनित बांधों का भौतिक पुनर्वास करते हुए बांध सुरक्षा पहल को मजबूती प्रदान करेगी।
- यह कार्यक्रम, **बांध सुरक्षा विधेयक 2019** में बांध मालिकों के साथ-साथ प्रस्तावित नियामकों के लिए क्षमता निर्माण सुनिश्चित करने के साथ-साथ बांध सुरक्षा के लिए आवश्यक प्रोटोकॉल बनाने वाले प्रावधानों को पूरा करता है।
- **वित्त:** ड्रिप फेज-2 में देश के 19 राज्यों के बड़े बांधों को शामिल किया गया है, इसे विश्व बैंक और एशियन इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट बैंक द्वारा 250 मिलियन अमेरिकी डॉलर के साथ सह-वित्तपोषित किया गया है।

देश में बांधों की संख्या:

- चीन और संयुक्त राज्य अमेरिका के बाद भारत वैश्विक स्तर पर तीसरे स्थान पर है, जहां पर 5,334 बड़े बांध संचालित किए जा रहे हैं।

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

- वर्तमान में लगभग 411 बांध निर्माणाधीन हैं।
- यहां पर कई हजार छोटे-छोटे बांध भी मौजूद हैं।

ड्रिप कार्यक्रम के पहले चरण के बारे में:

- ड्रिप कार्यक्रम का पहला चरण, जिसमें **7 राज्यों में 223 बांधों** को शामिल किया गया, को हाल ही में **मार्च 2021 में बंद** कर दिया गया, जिसमें पद्धति आधारित व्यापक प्रबंधन दृष्टिकोण अपनाते हुए संस्थागत मजबूती के साथ-साथ चयनित बांधों की सुरक्षा और परिचालन प्रदर्शन में सुधार किया गया।

नोट:

- संयुक्त राष्ट्र की **'एजिंग वॉटर इन्फ्रास्ट्रक्चर: एन इमर्जिंग ग्लोबल रिस्क'** नामक रिपोर्ट के अनुसार भारत, अमेरिका, और अन्य राष्ट्रों में एजिंग डैम बढ़ते खतरे को दर्शाता है।
- भारत में, 2025 में लगभग 50 वर्ष से अधिक पुराने 1,115 बड़े बांध हैं, देश में 4,250 से अधिक बड़े बांध 2050 में 50 वर्ष से अधिक पुराने और 64 बड़े बांध 2050 में 150 वर्ष से अधिक पुराने हो जाएंगे।

स्रोत : PIB

भारत का पहला भूकंप पूर्व चेतावनी मोबाइल एप्लिकेशन IIT-रुड़की द्वारा विकसित किया गया

चर्चा में क्यों?

- **उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी** ने **IIT रुड़की** द्वारा विकसित देश के पहले **भूकंप पूर्व चेतावनी मोबाइल एप्लिकेशन 'उत्तराखंड भूकंप अलर्ट'** का शुभारंभ किया।
- यह परियोजना **उत्तराखंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण** द्वारा प्रायोजित थी।

प्रमुख बिंदु

भूकंप पूर्व चेतावनी मोबाइल एप्लिकेशन के बारे में:

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

- भूकंप पूर्व चेतावनी (EEW) एक वास्तविक समय भूकंप सूचना प्रणाली है जो भूकंप की शुरुआत का पता लगा सकती है और किसी क्षेत्र में महत्वपूर्ण झटके आने से पहले चेतावनी जारी कर सकती है।
- भूकंप की पूर्व चेतावनी प्रणाली का भौतिक आधार भूकंपीय तरंगों की गति है, जो फॉल्ट मूवमेंट्स से तनाव मुक्त होने के बाद फैलती है।
- यह भूकंप के बाद एक संरचना के अंदर फंसे लोगों के स्थान को बताने में भी मदद कर सकता है।

स्रोत: TOI

KVIC के अद्वितीय प्लास्टिक-मिश्रित हस्तनिर्मित कागज

चर्चा में क्यों?

- **खादी और ग्रामोद्योग आयोग (KVIC)** ने प्रकृति से प्लास्टिक के खतरे को कम करने के लिए विकसित अपने अभिनव प्लास्टिक-मिश्रित हस्तनिर्मित कागज के लिए पेटेंट पंजीकरण प्राप्त कर लिया है।
- पेटेंट प्रमाणपत्र **KVIC के कुमारप्पा नेशनल हैंडमेड पेपर इंस्टीट्यूट, जयपुर** को जारी किया गया।

प्रमुख बिंदु

- प्लास्टिक-मिश्रित हस्तनिर्मित कागज को **प्रोजेक्ट रिप्लान (प्रकृति से प्लास्टिक को कम करना)** के तहत विकसित किया गया था।
- यह **भारत में अपनी तरह की पहली परियोजना** है, जहां प्लास्टिक कचरे को डि-स्ट्रक्चर्ड, डिग्रेडेड, डाइलूटड किया जाता है तथा इसे हस्तनिर्मित कागज बनाते समय पेपर पल्प के साथ इस्तेमाल किया जाता है।
- इसके उत्पादन से **स्थायी रोजगार के अवसरों के सृजन के साथ-साथ पर्यावरण की रक्षा** के दोहरे उद्देश्यों की पूर्ति होने की संभावना है।
- KVIC ने प्लास्टिक मिश्रित हस्तनिर्मित कागज का उपयोग करके कैरी बैग, लिफाफे, फाइल / फोल्डर आदि जैसे कई उत्पाद विकसित किए हैं।

पेटेंट के बारे में:

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

- पेटेंट एक प्रकार की बौद्धिक संपदा है जो अपने मालिक को आविष्कार के एक सक्षम सार्वजनिक प्रकटीकरण को प्रकाशित करने के बदले में सीमित वर्षों के लिए एक आविष्कार बनाने, उपयोग करने या बेचने से दूसरों को बाहर करने का कानूनी अधिकार देता है।
- भारत में प्रत्येक पेटेंट की अवधि फाइल करने की तारीख से 20 वर्ष है।
- भारत में, **पेटेंट अधिनियम, 1970** को 20 अप्रैल 1972 को लागू किया गया था।
- पेटेंट नियम, 2003 को पेटेंट अधिनियम (संशोधन), 2002 के साथ पेश किया गया था, और हालिया संशोधन 2016, और 2017 में किए गए थे।

स्रोत: PIB

मंत्रिमंडल ने समग्र शिक्षा योजना को अगले 5 वर्षों तक जारी रखने की मंजूरी दी

- **चर्चा में क्यों?**
- मंत्रिमंडलीय समिति ने संशोधित **समग्र शिक्षा योजना को पांच वर्षों (2021-22 से 2025-26 तक) की अवधि** के लिए जारी रखने को अपनी मंजूरी दे दी है।
- 'समग्र शिक्षा योजना' के तहत 2,94,283.04 करोड़ रुपये का वित्तीय परिव्यय, जिसमें 1,85,398.32 करोड़ रुपये का केंद्रीय हिस्सा शामिल है, इस योजना को लागू करने के लिए किया गया है।
- यह योजना स्कूली शिक्षा को एक निरंतरता मानती है और यह **शिक्षा के लिए सतत विकास लक्ष्य (SDG-4)** के अनुसार है।
- इस योजना को **नई शिक्षा नीति (NEP 2020)** की सिफारिशों के साथ जोड़ा गया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सभी बच्चों की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच हो।

प्रमुख बिंदु

समग्र शिक्षा योजना के बारे में:

- यह स्कूली शिक्षा के लिए एक एकीकृत योजना है जिसमें **प्री-स्कूल से लेकर बारहवीं कक्षा** तक की पूरी रेंज शामिल है।

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

- शिक्षा मंत्रालय ने **सर्व शिक्षा अभियान (SSA), राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान (RMSA) और शिक्षक शिक्षा (TE)** की पूर्ववर्ती केंद्र प्रायोजित योजनाओं को मिलाकर 2018 में समग्र शिक्षा शुरू की थी।

लाभ:

- इस योजना में **11 लाख 60 हजार विद्यालय**, एक करोड़ 56 लाख से अधिक छात्र और सरकार एवं सरकार से सहायता प्राप्त विद्यालयों के 57 लाख शिक्षक (पूर्व-प्राथमिक से वरिष्ठ माध्यमिक स्तर तक) शामिल हैं।

NEP 2020 की सिफारिशों के आधार पर संशोधित समग्र शिक्षा में शामिल किए गए नए हस्तक्षेप:

- योजना की प्रत्यक्ष पहुंच को बढ़ाने के लिए **सभी बाल केंद्रित हस्तक्षेप** एक निश्चित समयावधि में **सूचना प्रौद्योगिकी (IT) आधारित प्लेटफॉर्म** पर **प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (DBT मोड)** के माध्यम से सीधे छात्रों को प्रदान किए जाएंगे।
- आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण देने के लिए कुशल प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण और **'प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा' (ECCE)** शिक्षकों के लिए सेवाकालीन शिक्षक प्रशिक्षण का प्रावधान।
- सरकारी स्कूलों में पूर्व-प्राथमिक वर्गों के लिए **शिक्षण अधिगम सामग्री,** स्वदेशी खिलौने और खेल, खेल आधारित गतिविधियों के लिए प्रति बालक/बालिका 500 रुपये तक का प्रावधान।
- **निपुण भारत, मौलिक साक्षरता और संख्या ज्ञान पर एक राष्ट्रीय मिशन** इस योजना के तहत यह सुनिश्चित करने के लिए शुरू किया गया है कि प्रत्येक बच्चा कक्षा ग्रेड III और ग्रेड V के बीच पढ़ने, लिखने और अंकगणित में वांछित सीखने की क्षमता प्राप्त कर लेता है।
- समग्र, 360-डिग्री, बहु-आयामी रिपोर्ट संज्ञानात्मक, भावात्मक और मनोप्रेरणा डोमेन में प्रत्येक शिक्षार्थी की प्रगति/विशिष्टता को दर्शाने वाली रिपोर्ट को **समग्र प्रगति कार्ड** के रूप में पेश किया जाएगा।
- राष्ट्रीय मूल्यांकन केंद्र, **परख (प्रदर्शन, आकलन, समीक्षा और समग्र विकास के लिए ज्ञान का विश्लेषण)** की गतिविधियों के लिए सहायता।
- यदि किसी स्कूल के कम से कम 2 छात्र राष्ट्रीय स्तर पर **खेलो इंडिया स्कूल खेलों** में पदक जीतते हैं तो उस स्कूल को **25,000 हजार रूपये तक का अतिरिक्त खेल अनुदान**।

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

- बस्ता रहित (बैगलेस) दिनों, स्कूल परिसरों में स्थानीय हस्त शिल्पियों के साथ उनके हुनर को सीखना (इंटर्नशिप), पाठ्यक्रम और शैक्षणिक सुधार आदि के प्रावधान शामिल हैं।
- डिजिटल बोर्ड, स्मार्ट कक्षाओं (क्लासरूम) आभासी कक्षाओं (वर्चुअल क्लासरूम) और DTH चैनलों के प्रसारण के लिए सहायता सहित **सूचना संवाद और प्रशिक्षण (ICT) प्रयोगशाला**, स्मार्ट क्लासरूम का प्रावधान किया गया है।
- प्रति वर्ष 20% स्कूलों के **सामाजिक लेखा परीक्षा** के लिए सहायता ताकि सभी स्कूलों का पांच साल की अवधि में सामाजिक लेखा परीक्षण किया जा सके।

स्रोत: PIB

संविधान (अनुसूचित जनजाति) आदेश (संशोधन) विधेयक, 2021

चर्चा में क्यों?

- राज्य सभा ने संविधान (अनुसूचित जनजाति) आदेश (संशोधन) विधेयक, 2021 पारित किया।
- विधेयक **अरुणाचल प्रदेश** द्वारा अनुशंसित अनुसूचित जनजातियों की संवैधानिक सूची में संशोधन करना चाहता है।

प्रमुख बिंदु

- अरुणाचल प्रदेश राज्य द्वारा की गई सिफारिशों के आधार पर, नया विधेयक अरुणाचल प्रदेश राज्य से संबंधित **संविधान (अनुसूचित जनजाति) आदेश, 1950 की अनुसूची के भाग-XVIII** को संशोधित करने का प्रावधान करता है।
- वर्तमान में, अरुणाचल प्रदेश राज्य के संबंध में अनुसूचित जनजातियों की निदर्शी सूची में उनके समानार्थक शब्द के साथ 18 समुदाय हैं।
- विधेयक अरुणाचल प्रदेश में चिन्हित अनुसूचित जनजातियों की सूची से अबोर जनजाति को हटाता है।
- इसके अलावा, यह कुछ ST को अन्य जनजातियों के साथ बदल देता है।

विधेयक के तहत अरुणाचल प्रदेश में अनुसूचित जनजातियों की सूची में प्रस्तावित परिवर्तन

मूल सूची	विधेयक के तहत प्रस्तावित परिवर्तन

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

अबोर	सूची से हटा दिया गया है।
खाम्प्टी	ताई खाम्प्टी
मिश्मी, इदु और तारों	मिश्मी-कमान (मिजू मिश्मी), इदु (मिश्मी) और तारों (दिगारू मिश्मी)
मोम्बा	मोनपा, मेम्बा, सरतांग, और सजोलंग (मिजी)
कोई भी नागा जनजाति	नोक्टे, तांगसा, तुत्सा और वांचो

अनुसूचित जनजाति के बारे में:

- भारत के संविधान के **अनुच्छेद 366 (25)** में यह प्रावधान है कि अनुसूचित जनजाति का अर्थ ऐसी जनजाति या आदिवासी समुदाय के तहत माना जाता है जो संविधान के **अनुच्छेद 342** के अनुसार है।

राष्ट्रीय आयोग:

- संविधान और अन्य विधान में निर्मित सुरक्षा उपायों को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए, **अनुच्छेद 338** और **338A** के तहत संविधान में दो वैधानिक आयोगों का प्रावधान है: **राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग** और **राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग**।

स्रोत: द हिंदू

किसी राज्य के राज्यपाल मौत की सजा पाए कैदियों सहित कैदियों को क्षमा कर सकते हैं: भारत का सर्वोच्च न्यायालय

चर्चा में क्यों?

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

- भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने माना कि किसी राज्य का राज्यपाल मृत्युदंड सहित कैदियों को कम से कम 14 साल की जेल की सजा काटने से पहले ही माफ कर सकता है।
- वास्तव में, क्षमा करने की राज्यपाल की शक्ति दंड प्रक्रिया संहिता, धारा 433 A में एक प्रावधान को ओवरराइड करती है, जो यह कहती है कि कैदी की सजा केवल 14 साल की जेल के बाद ही माफ की जा सकती है।

प्रमुख बिंदु

- राज्यपाल कम से कम 14 साल की जेल की सजा पूरी करने से पहले ही कैदियों को माफ कर सकते हैं।
- संहिता की धारा 433A भारतीय संविधान के अनुच्छेद 72 या 161 के तहत क्षमादान देने के लिए राष्ट्रपति/राज्यपाल को प्रदत्त संवैधानिक शक्ति को प्रभावित नहीं कर सकती है और न ही प्रभावित करती है।
- अदालत ने कहा कि अनुच्छेद 161 के तहत एक कैदी को क्षमा करने की राज्यपाल की संप्रभु शक्ति वास्तव में राज्य सरकार द्वारा प्रयोग की जाती है, न कि राज्यपाल अपने दम पर।

भारत में राष्ट्रपति की क्षमादान शक्ति:

- अनुच्छेद 72 के तहत राष्ट्रपति को अपराध के लिये दोषी ठहराए गए किसी भी व्यक्ति की सज़ा को माफ करने, राहत देने, छूट देने या निलंबित करने, हटाने या कम करने की शक्ति होगी, जहाँ दंड मौत की सज़ा के रूप में है।

राज्यपाल की क्षमादान शक्ति:

- अनुच्छेद 161 के तहत, किसी राज्य के राज्यपाल को किसी ऐसे मामले से संबंधित किसी भी कानून के खिलाफ किसी भी अपराध के लिये दोषी ठहराए गए व्यक्ति की सज़ा को माफ करने, राहत देने, छूट देने या निलंबित करने, हटाने या कम करने की शक्ति होगी।

स्रोत: द हिंदू

BRO ने पूर्वी लद्दाख में दुनिया के सबसे ऊंचे स्थान पर वाहन चलने योग्य सड़क का निर्माण किया

चर्चा में क्यों?

- **सीमा सड़क संगठन (BRO)** ने पूर्वी लद्दाख में **उमलिंगला दर्रे** के पास 19,300 फुट से अधिक की ऊंचाई पर मोटर वाहन चलने योग्य सड़क का निर्माण कर विश्व में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है।

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

प्रमुख बिंदु

सड़क के बारे में:

- उमलिंगला दर्रे से होकर गुजरने वाली 52 किलोमीटर लंबी यह सड़क तारकोल से बनाई गई है और इसने बोलीविया की सबसे ऊंची सड़क के रिकॉर्ड को तोड़ दिया है। उल्लेखनीय है कि बोलीविया ने अपने देश में स्थित ज्वालामुखी उतूरुंकू को जोड़ने के लिए 18,935 फीट की ऊंचाई पर सड़क का निर्माण किया है।
- सड़क अब पूर्वी लद्दाख के चुमार सेक्टर के महत्वपूर्ण शहरों को जोड़ती है।

तुलना:

- इस सड़क का निर्माण माउंट एवरेस्ट के आधार शिविरों से भी ऊंचे स्थान पर किया गया है। माउंट एवरेस्ट का नेपाल स्थित साउथ बेस कैंप 17,598 फीट पर है जबकि तिब्बत स्थित नॉर्थ बेस कैंप 16,900 फीट की ऊंचाई पर है।
- सड़क का निर्माण सियाचिन ग्लेशियर की ऊंचाई से काफी ऊपर किया गया है जो 17,700 फीट है। लेह में खर्दुंग ला दर्रा 17,582 फीट की ऊंचाई पर है।

स्रोत: PIB

Important News: World

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'समुद्री सुरक्षा बढ़ाने' पर UNSC की उच्च स्तरीय खुली चर्चा की अध्यक्षता की

चर्चा में क्यों?

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक उच्च स्तरीय **संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNSC)** की खुली चर्चा की अध्यक्षता की, जिसका शीर्षक था, **'समुद्री सुरक्षा बढ़ाने - अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के लिए एक मामला'**।
- पहली बार किसी भारतीय प्रधानमंत्री ने UNSC खुली चर्चा की अध्यक्षता की।

प्रमुख बिंदु

- खुली चर्चा समुद्री अपराध और असुरक्षा का प्रभावी ढंग से मुकाबला करने और समुद्री क्षेत्र में समन्वय को मजबूत करने के तरीकों पर केंद्रित थी।
- UNSC ने अतीत में समुद्री सुरक्षा और समुद्री अपराध के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की और प्रस्तावों को पारित किया। हालांकि, यह पहली बार है कि

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

इस तरह की उच्च स्तरीय खुली चर्चा में एक विशेष एजेंडा आइटम के रूप में समुद्री सुरक्षा पर समग्र रूप से चर्चा की जा रही है।

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने **समुद्री सुरक्षा के लिए 5 बुनियादी सिद्धांतों** का प्रस्ताव रखा।

नोट:

- भारत ने अगस्त 2021 के महीने के लिए UNSC (संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद) की अध्यक्षता ग्रहण की।
- भारत ने 1 जनवरी, 2021 को UNSC के एक अस्थायी सदस्य के रूप में अपना 2 साल का कार्यकाल शुरू किया।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

Important News: Economy

प्रधानमंत्री ने उज्ज्वला 2.0 का शुभारंभ किया

चर्चा में क्यों?

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महोबा, उत्तर प्रदेश में LPG कनेक्शन सौंपकर **उज्ज्वला 2.0 (प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना- PMUY का दूसरा चरण)** का शुभारंभ किया।
- **विश्व जैव ईंधन दिवस (10 अगस्त)** के अवसर पर प्रधानमंत्री ने **"गोबर धन"** - ऊर्जा के लिए गाय के गोबर का दोहन को बढ़ावा देने की योजनाओं का उल्लेख किया।

प्रमुख बिंदु

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (PMUY) के बारे में:

- मई 2016 में, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने 'प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना' (PMUY) को एक प्रमुख योजना के रूप में पेश किया, जिसका उद्देश्य ग्रामीण और वंचित परिवारों के लिए रसोई गैस जैसे स्वच्छ खाना पकाने के ईंधन को उपलब्ध कराना था।
- यह योजना 1 मई 2016 को उत्तर प्रदेश के बलिया में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू की गई थी।

उज्ज्वला 1.0 से उज्जवला 2.0 तक का सफर:

- 2016 में लॉन्च उज्ज्वला 1.0 के दौरान **5 करोड़** BPL परिवारों की महिला सदस्यों को LPG कनेक्शन उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया था।

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

- इसके बाद, योजना का विस्तार अप्रैल 2018 में सात और श्रेणियों (ST /ST, PMAY, AAY, सबसे पिछड़ा वर्ग, चाय बागान, वनवासी, द्वीप समूह) से महिला लाभार्थियों को शामिल करने के लिए किया गया था।
- साथ ही, लक्ष्य को संशोधित कर **8 करोड़** LPG कनेक्शन कर दिया गया। यह लक्ष्य लक्ष्य तिथि से सात महीने पहले अगस्त 2019 में हासिल किया गया था।
- **उज्ज्वला 2.0** में, **प्रवासियों को राशन कार्ड या पते का प्रमाण जमा करने की आवश्यकता नहीं होगी।**
- 'पारिवारिक घोषणा' और 'पते के प्रमाण' दोनों के लिए एक स्व-घोषणा पर्याप्त होगी।

नोट: पिछले 6-7 वर्षों के दौरान 11 हजार से भी अधिक LPG वितरण केंद्र खोले गए हैं।

स्रोत: PIB

संविधान (127वां संशोधन) विधेयक, 2021

चर्चा में क्यों?

- लोकसभा ने **संविधान (127वां संशोधन) विधेयक, 2021** पारित किया।
- यह राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों (UT) को **अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC)** की अपनी सूची तैयार करने की अनुमति देने के लिए संविधान में संशोधन करता है।

प्रमुख बिंदु

- सरकार ने **102वें संविधान संशोधन विधेयक** में **पिछड़े वर्गों की पहचान करने के लिए राज्यों की शक्ति को बहाल करने में** कुछ प्रावधानों को स्पष्ट करने के लिए संसद में विधेयक पेश किया।

सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों की सूची:

- **राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग एक्ट, 1993** के अंतर्गत **राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग (NCBC)** की स्थापना की गई थी।
- **संविधान (102 वां संशोधन) अधिनियम, 2018** ने राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा दिया है और राष्ट्रपति को यह अधिकार दिया है कि वह सभी उद्देश्यों के लिए किसी राज्य या केंद्र शासित प्रदेश के सामाजिक एवं शैक्षिक रूप से पिछड़े वर्गों की सूची को अधिसूचित करेंगे।

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

- 2021 का बिल इसमें संशोधन करता है और प्रावधान करता है कि राष्ट्रपति सिर्फ केंद्र सरकार के उद्देश्य के लिए सामाजिक एवं शैक्षिक रूप से पिछड़े वर्गों की सूची को अधिसूचित कर सकते हैं।
- यह केंद्रीय सूची केंद्र सरकार द्वारा तैयार और अनुरक्षित की जाएगी।
- इसके अतिरिक्त बिल राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को यह अधिकार देता है कि वे सामाजिक एवं शैक्षिक रूप से पिछड़े वर्गों की अपनी अपनी सूची बनाएं।

NCBC से सलाह:

- संविधान का **अनुच्छेद 338बी** केंद्र और राज्य सरकारों के लिए अनिवार्य करता है कि वे सामाजिक एवं शैक्षिक रूप से पिछड़े वर्गों को प्रभावित करने वाले सभी नीतिगत मामलों पर NCBC से सलाह करेंगी।
- बिल सामाजिक और शैक्षिक रूप से पिछड़े वर्गों की सूची तैयार करने से संबंधित मामलों में राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों को इस शर्त से छूट देता है।
- यदि राज्य सूची को समाप्त कर दिया जाता, तो लगभग 671 OBC समुदायों की शैक्षणिक संस्थानों और नियुक्तियों में आरक्षण तक पहुंच समाप्त हो जाती।

नोट:

- वर्तमान में, OBC को **27% आरक्षण** सरकारी नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में दिया जाता है।
- केंद्रीय सूची में 2,633 अन्य पिछड़ी जातियां हैं और इस साल की शुरुआत में **रोहिणी आयोग** ने उन्हें चार उपश्रेणियों में विभाजित करने का प्रस्ताव रखा, जिनकी संख्या 1, 2, 3 और 4 थी और 27% को क्रमशः 2, 6, 9 और 10% में विभाजित किया गया था।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

Important News: Defense

भारत और सऊदी अरब ने अपने पहले नौसेना अभ्यास 'अल-मोहद अल-हिंदी 2021' शुरू किया

चर्चा में क्यों?

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

- भारतीय नौसेना और रॉयल सऊदी नौसेना बलों के बीच पहला नौसेना अभ्यास 'अल-मोहद अल-हिंदी 2021' शुरू हुआ।
- इस अभ्यास का हार्बर चरण 09 अगस्त, 2021 को शुरू हुआ, जबकि समुद्र आधारित अभ्यास 11 अगस्त, 2021 से शुरू हुआ।

प्रमुख बिंदु

- भारतीय नौसेना का गाइडेड-मिसाइल विध्वंसक INS कोच्चि इस अभ्यास के लिए सऊदी अरब के जुबैल बंदरगाह पर पहुंचा।
- भारत और सऊदी अरब अपने बढ़ते रक्षा और सैन्य सहयोग को प्रदर्शित करते हुए अपना पहला नौसैनिक अभ्यास कर रहे हैं।
- इस अभ्यास में दोनों नौसेनाओं के बीच कई तट और समुद्र आधारित अभ्यास शामिल हैं।

स्रोत: द हिंदू

ITBP ने पहली बार महिला अधिकारियों को युद्धक भूमिकाओं में शामिल किया

चर्चा में क्यों?

- पहली बार, **भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (ITBP)** ने महिला अधिकारियों को युद्धक भूमिकाओं में शामिल किया।
- मसूरी में अकादमी में प्रशिक्षण पूरा करने के बाद दो महिलाएं, प्रकृति और दीक्षा, ITBP में लड़ाकू अधिकारियों के रूप में शामिल हुईं।

प्रमुख बिंदु

- ITBP ने संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा के माध्यम से 2016 से अपने कैडर में महिला लड़ाकू अधिकारियों की भर्ती शुरू की।

भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (ITBP) के बारे में:

- भारत-तिब्बत सीमा पुलिस चीन के तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र के साथ अपनी सीमा के लिए भारत का प्राथमिक सीमा गश्ती संगठन है।
- यह 1962 के भारत-चीन युद्ध के मद्देनजर CRPF अधिनियम के तहत 24 अक्टूबर 1962 को स्थापित भारत के केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल में से एक है।
- **महानिदेशक:** एस एस देसवाल

अन्य केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल:

- असम राइफल्स (AR)
- सीमा सुरक्षा बल (BSF)

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

- केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (CRPF)
- केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (CISF)
- राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (NSG)
- सशस्त्र सीमा बल (SSB)

स्रोत: द हिंदू

भारतीय नौसेना - संयुक्त अरब अमीरात नौसेना द्विपक्षीय अभ्यास "जायेद तलवार 2021"

चर्चा में क्यों?

- भारतीय नौसेना ने 07 अगस्त 2021 को आबूधाबी के तट पर संयुक्त अरब अमीरात की नौसेना के साथ द्विपक्षीय अभ्यास 'जायेद तलवार 2021' किया।

प्रमुख बिंदु

- फारस की खाड़ी में तैनात दो इंटीग्रल सी किंग MK 42B हेलीकॉप्टरों के साथ INS कोच्चि ने अभ्यास में भाग लिया।
- संयुक्त अरब अमीरात ने UAES AL - दफ्रा, एक बेयुनह क्लास गाइडेड मिसाइल कार्वेट और एक AS - 565 बी पैंथर हेलीकॉप्टर के साथ भाग लिया।

नोट:

- यह अभ्यास वायु सेना प्रमुख, एयर चीफ मार्शल आरकेएस भदौरिया की संयुक्त अरब अमीरात की यात्रा के एक सप्ताह बाद हुआ।
- दिसंबर 2020 में, जनरल एमएम नरवणे ने दो महत्वपूर्ण खाड़ी देशों में भारतीय सेना के प्रमुख द्वारा पहली बार संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब का दौरा किया।

स्रोत: AIR

Reports

IPCC छठी आकलन रिपोर्ट - भौतिक विज्ञान आधार

चर्चा में क्यों?

- **जलवायु परिवर्तन पर अंतर सरकारी पैनल (IPCC)** ने **छठी आकलन रिपोर्ट (AR6)** की तीन किश्तों का पहला भाग शीर्षक **"क्लाइमेट चेंज 2021: द फिजिकल साइंस बेसिस"** जारी किया।
- पहली किस्त **वर्किंग ग्रुप I** से है और इसमें जलवायु परिवर्तन के भौतिक विज्ञान पर चर्चा की गई है।

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

- कार्य समूह II (प्रभाव, अनुकूलन, और भेद्यता) और III (जलवायु परिवर्तन का शमन) की रिपोर्ट 2022 में अनुसरण करेगी।
- रिपोर्ट में विशेष रूप से चेतावनी दी गई है कि 2040 से पहले 1.5-डिग्री-सेल्सियस सीमा को पार करने की संभावना है।

प्रमुख बिंदु

- रिपोर्ट ग्रह के गर्म होने और भविष्य में वार्मिंग के अनुमानों के बारे में वैज्ञानिक ज्ञान का नवीनतम मूल्यांकन प्रदान करती है, और जलवायु प्रणाली पर इसके प्रभावों का आकलन करती है।
- पृथ्वी की सतह का औसत तापमान अगले 20 वर्षों (2040 तक) में पूर्व-औद्योगिक स्तरों पर 1.5 डिग्री सेल्सियस और उत्सर्जन में तेज कमी के बिना सदी के मध्य तक 2 डिग्री सेल्सियस को पार कर जाएगा।

कार्बन डाइऑक्साइड (CO2) सांद्रता:

- यह कम से कम दो मिलियन वर्षों में सबसे अधिक हैं। 1800 के दशक के अंत से मनुष्य ने 2,400 बिलियन टन CO2 का उत्सर्जन किया है।

ग्लोबल वार्मिंग का प्रभाव:

- 1901-1971 की तुलना में समुद्र के स्तर में वृद्धि तीन गुना हो गई है।
- तटीय क्षेत्रों में 21वीं सदी के दौरान समुद्र के स्तर में निरंतर वृद्धि देखी जाएगी, जिसके परिणामस्वरूप तटीय कटाव और निचले इलाकों में अधिक लगातार और गंभीर बाढ़ आएगी।
- हर अतिरिक्त 0.5 °C वार्मिंग से गर्म चरम सीमा, अत्यधिक वर्षा और सूखे में वृद्धि होगी।
- ग्लोबल वार्मिंग का हिमालय सहित दुनिया भर की पर्वत श्रृंखलाओं पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा।

भारतीय उपमहाद्वीप के विशिष्ट निष्कर्ष:

- 21वीं सदी के दौरान दक्षिण एशिया में ग्रीष्म लहरें और आर्द्र ग्रीष्म का तनाव अधिक तीव्र और लगातार होगा।
- मॉनसून वर्षा में भी बदलाव की उम्मीद है, वार्षिक और ग्रीष्मकालीन मानसून वर्षा दोनों में वृद्धि का अनुमान है।
- हिंद महासागर के ऊपर समुद्र की सतह का तापमान 1 से 2 डिग्री सेल्सियस बढ़ने की संभावना है जब 1.5 डिग्री सेल्सियस से 2 डिग्री सेल्सियस ग्लोबल वार्मिंग होती है।

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

जलवायु परिवर्तन पर अंतर सरकारी पैनल (IPCC) के बारे में:

- यह संयुक्त राष्ट्र का एक अंतरसरकारी निकाय है।
- यह 1988 में **विश्व मौसम विज्ञान संगठन (WMO)** और **संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP)** द्वारा स्थापित किया गया था, और बाद में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा इसका समर्थन किया गया था।

आकलन रिपोर्ट

- IPCC ने नवीनतम जलवायु विज्ञान की समीक्षा करते हुए 5 व्यापक आकलन रिपोर्ट प्रकाशित की हैं।
- IPCC ने 1990 में अपनी पहली आकलन रिपोर्ट और 2014 में पांचवीं आकलन रिपोर्ट प्रकाशित की

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

Ranks and Indices

बुजुर्गों के लिए जीवन का गुणवत्ता सूचकांक

चर्चा में क्यों?

- **प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (EAC-PM)** के अध्यक्ष डॉ बिबेक देबरॉय ने बुजुर्गों के लिए जीवन का गुणवत्ता सूचकांक जारी किया।
- इंस्टीट्यूट फॉर कॉम्पिटिटिवनेस द्वारा यह सूचकांक तैयार किया गया है।

प्रमुख बिंदु

- यह रिपोर्ट भारतीय राज्यों में उम्र बढ़ने के क्षेत्रीय पैटर्न की पहचान करने के साथ-साथ देश में उम्र बढ़ने की समग्र स्थिति का भी आकलन करती है।
- यह सूचकांक उचित रैंकिंग के माध्यम से राज्यों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने के साथ-साथ उन स्तंभों और संकेतकों पर भी प्रकाश डालता है, जिनमें वे सुधार कर सकते हैं।

सूचकांक के स्तंभ और उप-स्तंभ:

- **चार स्तंभ:** वित्तीय कल्याण, सामाजिक कल्याण, स्वास्थ्य प्रणाली और आय सुरक्षा
- **आठ उप-स्तंभ:** आर्थिक सशक्तिकरण, शैक्षिक अर्जन और रोजगार, सामाजिक स्थिति, शारीरिक सुरक्षा, बुनियादी स्वास्थ्य, मनोवैज्ञानिक कल्याण, सामाजिक सुरक्षा और पर्यावरण को सक्षम बनाना

मुख्य विशेषताएं:

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

- स्वास्थ्य प्रणाली स्तंभ का अखिल भारतीय स्तर पर उच्चतम राष्ट्रीय औसत 66.97 होने तथा समाज कल्याण में यह औसत 62.34 होने का पता चला है।
- वित्तीय कल्याण में यह स्कोर 44.7 रहा है, जो शिक्षा प्राप्ति और रोजगार स्तंभ में 21 राज्यों के कमजोर प्रदर्शन के कारण कम रहा है और यह सुधार की संभावना को दर्शाता है।
- राज्यों ने विशेष रूप से आय सुरक्षा स्तंभ में बहुत खराब प्रदर्शन किया है, क्योंकि आधे से अधिक राज्यों में आय सुरक्षा में राष्ट्रीय औसत यानी 33.03 से भी कम प्रदर्शन किया है, जो सभी स्तंभों में सबसे कम है।

प्रमुख निष्कर्ष:

- **राजस्थान** और **हिमाचल** प्रदेश क्रमशः बुजुर्ग और अपेक्षाकृत बुजुर्ग आबादी वाले राज्यों में सर्वाधिक स्कोर हासिल करने वाले क्षेत्र हैं।
- **चंडीगढ़** और **मिजोरम** केंद्र शासित प्रदेश और पूर्वोत्तर क्षेत्र के राज्य श्रेणी में सर्वाधिक स्कोर हासिल करने वाले क्षेत्र हैं।
- **बुजुर्ग आबादी** वाले राज्य ऐसे राज्य हैं, जहां बुजुर्ग आबादी 5 मिलियन से अधिक है, जबकि **अपेक्षाकृत बुजुर्ग आबादी** वाले राज्य ऐसे राज्य हैं जहां बुजुर्ग आबादी 5 मिलियन से कम है।

भारत की पहल:

- वृद्ध व्यक्तियों के लिए एकीकृत कार्यक्रम
- राष्ट्रीय वयोश्री योजना
- SAGE (सीनियरकेयर एजिंग ग्रोथ इंजन)
- इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना
- माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण और कल्याण अधिनियम, 2007
- प्रधानमंत्री वय वंदना योजना
- वयोश्रेष्ठ सम्मान

स्रोत: PIB

वैश्विक युवा विकास सूचकांक 2020 में भारत 122वें स्थान पर

चर्चा में क्यों?

- वैश्विक युवा विकास सूचकांक 2020 में **भारत** 122वें स्थान पर है, जो दुनिया भर के 181 देशों में युवाओं की स्थिति को मापता है।
- **सिंगापुर** ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

- **राष्ट्रमंडल सचिवालय, लंदन** ने 181 देशों के युवा विकास की त्रैवार्षिक रैंकिंग जारी किया। जिसमे 156 देशों ने अपने स्कोर में कम से कम मामूली सुधार दर्ज किया है।

प्रमुख बिंदु

रैंक	देश
1	सिंगापुर
2	स्लोवेनिया
3	नॉर्वे
122	भारत

- **चाड (181),** मध्य अफ्रीकी गणराज्य, दक्षिण सूडान, अफगानिस्तान और नाइजर क्रमशः सबसे नीचे रहे।
- 2020 के वैश्विक युवा विकास सूचकांक से पता चलता है कि 2010 और 2018 के बीच दुनिया भर में युवाओं की स्थिति में 3.1 प्रतिशत का सुधार हुआ है।
- **शीर्ष पांच राइजर:** युवा विकास की त्रैवार्षिक रैंकिंग ने **भारत** को 2010 और 2018 के बीच सूचकांक में **अफगानिस्तान, रूस, इथियोपिया और बुर्किना फासो** के साथ शीर्ष पांच में शामिल किया, शिक्षा और रोजगार जैसे क्षेत्रों में उनके स्कोर में औसतन 15.74 प्रतिशत की वृद्धि हुई।
- दूसरी ओर, **सीरिया, यूक्रेन, लीबिया, जॉर्डन और लेबनान** ने 2010 और 2018 के बीच युवा विकास में **सबसे बड़ी गिरावट** दिखाई।
- युवा शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य, समानता और समावेश, शांति और सुरक्षा, और राजनीतिक और नागरिक भागीदारी के विकास के अनुसार **सूचकांक 0.00 (निम्नतम) और 1.00 (उच्चतम) के बीच देशों को रैंक** करता है।
- यह **साक्षरता और मतदान सहित 27 संकेतकों** को देखता है, जो 15 से 29 वर्ष की आयु के बीच दुनिया के 1.8 बिलियन लोगों की स्थिति को प्रदर्शित करता है।

स्रोत: ET

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

लोक उपक्रम विभाग ने सार्वजनिक उपक्रम सर्वेक्षण 2019-20 जारी किया

चर्चा में क्यों?

- **लोक उपक्रम विभाग (DPE), वित्त मंत्रालय**, भारत सरकार ने **सार्वजनिक क्षेत्र के केंद्रीय उपक्रमों (CPSE)** के प्रदर्शन पर **सार्वजनिक उपक्रम (PE) सर्वेक्षण 2019-20** जारी किया।
- सार्वजनिक उपक्रम (PE) सर्वेक्षण 2019-20 अपनी सीरीज का 60वां सर्वेक्षण है।

प्रमुख बिंदु

- सार्वजनिक उपक्रम (PE) सर्वेक्षण, जिसमें 100 प्रतिशत CPSE शामिल होते हैं, में विभिन्न वित्तीय और भौतिक मानकों पर सभी CPSE के लिए आवश्यक सांख्यिकी आंकड़े हासिल किए जाते हैं।
- PE सर्वेक्षण CPSE को **पांच सेक्टरों** कृषि, खनन व अन्वेषण, विनिर्माण, प्रसंस्करण व उत्पादन, सेवाओं और निर्माण के अंतर्गत आने वाले उपक्रमों में और फिर 21 संबंधित समूहों में विभाजित करता है।
- सर्वेक्षण उन CPSE को कवर करता है, जिनमें भारत सरकार की 50 प्रतिशत से ज्यादा हिस्सेदारी है।

लोक उपक्रम विभाग के बारे में:

- यह सभी सार्वजनिक क्षेत्र के केंद्रीय उपक्रमों (CPSE) के लिए नोडल विभाग है और CPSE से संबंधित नीति तैयार करता है।
- CPSE को महारत्न, नवरत्न और मिनीरत्न के रूप में वर्गीकृत किया गया है।
- नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, **10 महारत्न, 14 नवरत्न और 74 मिनीरत्न** हैं।

नोट: हाल ही में, केंद्र सरकार ने भारी उद्योग मंत्रालय से वित्त मंत्रालय के साथ लोक उपक्रम विभाग (DPE) का विलय किया है।

2019-20 के दौरान, CPSE के प्रदर्शन के मुख्य बिंदु:

- वित्त वर्ष 2019-20 के दौरान 256 परिचालित CPSE का **परिचालन से सकल राजस्व** 24,61,712 करोड़ रुपये रहा था।
- 171 लाभ कमाने वाली CPSE का **लाभ** वित्त वर्ष 2019-20 में 1,38,112 करोड़ रुपये के स्तर पर था।
- नुकसान उठा रही 84 CPSE का **नुकसान** वित्त वर्ष 2019-20 में 44,817 करोड़ रुपये रहा था।

स्रोत: PIB

इंदौर भारत का पहला "वाटर प्लस" शहर

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

चर्चा में क्यों?

- **इंदौर, मध्य प्रदेश,** देश का सबसे स्वच्छ शहर, को **स्वच्छ सर्वेक्षण 2021 के तहत भारत का पहला SBM "वाटर प्लस" प्रमाणित शहर** घोषित किया गया है।

प्रमुख बिंदु

- एक शहर को उसके प्रशासन के तहत नदियों और नालों में स्वच्छता बनाए रखने के लिए **वाटर प्लस सिटी सर्टिफिकेट** प्रदान किया जाता है।
- **स्वच्छ सर्वेक्षण के बारे में:** बड़े पैमाने पर नागरिक भागीदारी को प्रोत्साहित करते हुए शहरों को शहरी स्वच्छता की स्थिति में सुधार करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए 2016 में **आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय** द्वारा एक प्रतिस्पर्धी ढांचे के रूप में पेश किया गया था।
- यह **स्वच्छ भारत मिशन** के हिस्से के रूप में भारत भर के शहरों और कस्बों में स्वच्छता का एक वार्षिक सर्वेक्षण है।

स्वच्छ भारत मिशन (SBM):

- यह **खुले में शौच** को समाप्त करने और **ठोस अपशिष्ट प्रबंधन** में सुधार के लिए 2014 में भारत सरकार द्वारा शुरू किया गया एक देशव्यापी अभियान है।
- SBM का पहला चरण अक्टूबर 2019 तक चला। दूसरे चरण को 2020-21 और 2024-25 के बीच लागू किया जा रहा है।
- मिशन को दो भागों में बांटा गया था: ग्रामीण और शहरी।

स्रोत: TOI

Awards and Honors

प्रो. सी.आर. राव शताब्दी स्वर्ण पदक पुरस्कार विजेताओं की घोषणा

चर्चा में क्यों?

- प्रसिद्ध अर्थशास्त्री जगदीश भगवती और सी रंगराजन को उद्घाटन प्रोफेसर सी आर राव शताब्दी स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया है।

प्रमुख बिंदु

- भगवती कोलंबिया विश्वविद्यालय में अर्थशास्त्र, कानून और अंतरराष्ट्रीय संबंधों के प्रोफेसर, जबकि सी रंगराजन प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के पूर्व अध्यक्ष और भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर हैं।

प्रो सी.आर. राव शताब्दी स्वर्ण पदक पुरस्कार के बारे में:

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

- इंडियन इकोनोमेट्रिक सोसाइटी ट्रस्ट ने अपने प्रोफेसर सीआर राव के योगदान को याद करने के लिए पुरस्कार की स्थापना की है।
- यह पुरस्कार दो साल में एक बार भारतीय या भारतीय मूल के विद्वान को मात्रात्मक अर्थशास्त्र के सैद्धांतिक और व्यावहारिक पहलुओं और आधिकारिक आंकड़ों के क्षेत्र में उनके जीवन भर के योगदान के लिए प्रदान किया जाएगा।
- **सीआर राव** एक भारतीय-अमेरिकी गणितज्ञ और सांख्यिकीविद् हैं। उन्हें भारत सरकार द्वारा पद्म विभूषण (2001) मिला।

स्रोत: ET

Important Days

12 अगस्त, अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस

चर्चा में क्यों?

- युवा मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने और उन्हें अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के ध्यान में लाने के लिए हर साल 12 अगस्त को अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस मनाया जाता है।

प्रमुख बिंदु

- 2021 का विषय "**ट्रांसफॉर्मिंग फूड सिस्टम: यूथ इनोवेशन फॉर ह्यूमन एंड प्लैनेटरी हेल्थ**" है।
- 1999 में, संयुक्त राष्ट्र ने हर साल 12 अगस्त को अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस मनाने का फैसला किया।
- यह लिस्बन में **युवाओं के जिम्मेदार मंत्रियों के विश्व सम्मेलन** द्वारा की गई एक सिफारिश पर आधारित था।

नोट: राष्ट्रीय युवा दिवस, जिसे विवेकानंद जयंती के रूप में भी जाना जाता है, 12 जनवरी को स्वामी विवेकानंद के जन्मदिन के रूप में मनाया जाता है।

स्रोत: un.org

New Appointments

धृति बनर्जी भारतीय प्राणी सर्वेक्षण के 100 साल के इतिहास में पहली महिला निदेशक बनीं

चर्चा में क्यों?

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

- मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने डॉ धृति बनर्जी, वैज्ञानिक E, भारतीय प्राणी सर्वेक्षण (ZSI) को निदेशक के रूप में नियुक्त करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी।
- वह 105 वर्षीय ZSI के निदेशक के रूप में नियुक्त होने वाली पहली महिला बन गई हैं।

प्रमुख बिंदु

- उन्होंने 2012 से ZSI के डिजिटल अनुक्रम सूचना परियोजना के समन्वयक के रूप में काम किया है।

भारतीय प्राणी सर्वेक्षण (ZSI) के बारे में:

- ZSI की स्थापना 1 जुलाई 1916 को की गयी थी। यह भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के तहत काम करता है।
- इसका मुख्यालय कोलकाता, पश्चिम बंगाल में है।

स्रोत: TOI

NCW की अध्यक्ष रेखा शर्मा को 3 साल के एक और कार्यकाल के लिए नामांकित किया गया

चर्चा में क्यों?

- केंद्र सरकार ने **राष्ट्रीय महिला आयोग अधिनियम, 1990 (1990 का 20)** की धारा 3 के तहत श्रीमती रेखा शर्मा को **राष्ट्रीय महिला आयोग (NCW)** की अध्यक्ष के रूप में 07.08.2021 से प्रभावी 3 साल के एक अन्य कार्यकाल के लिए नामांकित किया है।

मुख्य बिंदु

- रेखा शर्मा ने 7 अगस्त, 2018 को NCW अध्यक्ष का पदभार ग्रहण किया था।
- वह अगस्त, 2015 से एक सदस्य के रूप में आयोग से जुड़ी हुई हैं और इसके नियमित प्रमुख बनने से पहले 29 सितंबर, 2017 से अध्यक्ष के रूप में अतिरिक्त प्रभार संभाला।

राष्ट्रीय महिला आयोग (NCW) के बारे में:

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

- यह भारत सरकार का वैधानिक निकाय है, जो आम तौर पर महिलाओं को प्रभावित करने वाले सभी नीतिगत मामलों पर सरकार को सलाह देने से संबंधित है।
- यह भारतीय संविधान के प्रावधानों के तहत 31 जनवरी 1992 को स्थापित किया गया था, जैसा कि 1990 के राष्ट्रीय महिला आयोग अधिनियम में परिभाषित किया गया है।

स्रोत: PIB

Obituaries

दिग्गज अभिनेता अनुपम श्याम का निधन

- दिग्गज अभिनेता अनुपम श्याम का 63 वर्ष की आयु में मल्टीपल ऑर्गन फेल्योर के कारण निधन हो गया।
- अनुपम श्याम मन की आवाज प्रतिज्ञा में ठाकुर सज्जन सिंह की भूमिका के लिए लोकप्रिय थे।
- उन्होंने दिल से, सत्या, हज़ारों ख्वाहिशें ऐसी, ज़ख्म, दुश्मन और स्लमडॉग मिलियनेयर जैसी फ़िल्मों में भी काम किया।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

Sports

राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार को मेजर ध्यानचंद के नाम पर रखा गया

चर्चा में क्यों?

- **राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार,** भारत का सर्वोच्च खेल सम्मान, को **मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार** नाम दिया गया है।
- नामकरण परम हॉकी नायक और खेल के दिग्गज, ध्यानचंद के सम्मान में है।

प्रमुख बिंदु

खेल रत्न पुरस्कार के बारे में:

- खेल रत्न पुरस्कार देश का सर्वोच्च खेल सम्मान है।

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

- 1991-92 में शुरू किए गए इस पुरस्कार में एक पदक, एक प्रमाण पत्र और ₹ 25 लाख का नकद पुरस्कार शामिल है।
- खेल रत्न के पहले प्राप्तकर्ता शतरंज के दिग्गज विश्वनाथन आनंद थे।

ध्यानचंद के बारे में:

- ध्यानचंद, जिनके जन्मदिन को राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में मनाया जाता है, ने देश के लिए 3 ओलंपिक स्वर्ण (1928, 1932 और 1936) जीते।

अन्य पुरस्कारों की सूची

मौलाना अबुल कलाम आजाद ट्रॉफी:

- इसकी स्थापना वर्ष 1956-1957 में हुई थी।
- यह विश्वविद्यालय को पिछले एक वर्ष की अवधि में "अंतर-विश्वविद्यालय टूर्नामेंट में शीर्ष प्रदर्शन" के लिए दिया जाता है।

अर्जुन पुरस्कार:

- इसकी स्थापना 1961 में हुई थी।
- यह खिलाड़ियों को पिछले चार वर्षों की अवधि में "लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन" के लिए दिया जाता है।

द्रोणाचार्य पुरस्कार:

- द्रोणाचार्य पुरस्कार 1985 में स्थापित किया गया।
- यह कोचों को "प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में पदक विजेता बनाने" के लिए दिया जाता है।

ध्यानचंद पुरस्कार:

- इसकी स्थापना वर्ष 2002 में हुई थी।
- यह व्यक्तियों को "खेल विकास में आजीवन योगदान" के लिए दिया जाता है।

राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार:

- इसकी स्थापना वर्ष 2009 में हुई थी।
- यह पिछले तीन वर्षों की अवधि में "खेल प्रोत्साहन और विकास के क्षेत्र में एक दृश्यमान भूमिका निभाने" के लिए संगठनों (निजी और सार्वजनिक दोनों) और व्यक्तियों को दिया जाता है।

नोट: 2004 से, **तेनजिंग नोर्गे राष्ट्रीय साहसिक पुरस्कार** भी अन्य खेल पुरस्कारों के साथ दिया जाता है।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

टोक्यो ओलंपिक 2020

- **स्थान:** टोक्यो, जापान (23 जुलाई से 8 अगस्त 2021)
- **32वां ग्रीष्मकालीन ओलिंपिक शुभंकर:** मिराइतोवा (MIRAITOWA)
- **ओलंपिक लॉरेल पुरस्कार 2020**- बांग्लादेश के मुहम्मद यूनुस

नोट:

- 2020 में ओलंपिक में शामिल नए खेल- कराटे, स्पोर्ट क्लाइम्बिंग, सर्फिंग और स्केटबोर्डिंग
- टोक्यो 1964 (ग्रीष्मकालीन), साप्पोरो 1972 (शीतकालीन) और नागानो 1998 (शीतकालीन) खेलों के बाद 2020 के खेल जापान में होने वाले चौथे ओलंपिक खेल हैं।

टोक्यो ओलंपिक में भारत:

- उद्घाटन समारोह में भारत के ध्वजवाहक- मैरी कॉम (मुक्केबाजी) और मनप्रीत सिंह (हॉकी)
- समापन समारोह में भारत के ध्वजवाहक- बजरंग पुनिया (कुश्ती)

पदक

रैंक	देश	स्वर्ण	रजत	कांस्य	कुल
1	अमेरिका	39	41	33	113
2	चीन	38	32	18	88
3	जापान	27	14	17	58
48	भारत	1	2	4	7

भारत का प्रदर्शन:

- **नीरज चोपड़ा** (भाला फेंक) ने **स्वर्ण पदक** जीता।
  उन्होंने निशानेबाज अभिनव बिंद्रा के बाद ओलंपिक में व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीतने वाले दूसरे भारतीय बनकर इतिहास रच दिया।

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

वह 120 से अधिक वर्षों में पहले भारतीय हैं, और स्वतंत्र भारत के पहले एथलीट हैं, जिन्होंने ट्रैक-एंड-फील्ड डिसिप्लिन में ओलंपिक पदक जीता है।

- **सैखोम मीराबाई चानू** (भारतीय भारोत्तोलक) ने महिलाओं के 49 किग्रा में **रजत पदक** जीता।
- **रवि कुमार दहिया** (पहलवान) ने पुरुषों की फ्रीस्टाइल 57 किग्रा वर्ग में **रजत पदक** जीता।
- **पीवी सिंधु** (बैडमिंटन) ने **कांस्य पदक** जीता।
  पीवी सिंधु ओलंपिक में दो व्यक्तिगत पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। उन्होंने 2016 में रियो ओलंपिक में रजत पदक जीता था।
- **लवलीना बोरगोहेन** (बॉक्सर) ने वेल्टरवेट 69 किलोग्राम वर्ग में **कांस्य पदक** जीता।
- **बजरंग पुनिया** (पहलवान) ने पुरुषों की फ्रीस्टाइल 65 किग्रा वर्ग में **कांस्य पदक** जीता।
- **भारतीय पुरुष हॉकी टीम** ने **कांस्य पदक** जीता।
  भारत की पुरुष हॉकी टीम ने 1980 के बाद अपना पहला ओलंपिक पदक जीतने के लिए इतिहास रचा।

अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (IOC) के बारे में तथ्य:

- **मुख्यालय:** लॉज़ेन, स्विट्जरलैंड
- **अध्यक्ष:** थॉमस बाक
- **स्थापना:** 23 जून 1894

स्रोत: olympics.com

कोलकाता डूरंड कप के 130 वें संस्करण की मेजबानी करेगा

चर्चा में क्यों?

- **डूरंड कप फुटबॉल टूर्नामेंट का 130 वां संस्करण** इस साल 5 सितंबर से 3 अक्टूबर तक कोलकाता में आयोजित किया जाना निर्धारित है।
- इसका आयोजन अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ, IFA (पश्चिम बंगाल) और पश्चिम बंगाल सरकार के सहयोग से किया जा रहा है।

प्रमुख बिंदु

- टूर्नामेंट में देश भर की 16 टीमें भाग लेंगी।

डूरंड कप के बारे में:

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

- यह दुनिया का तीसरा सबसे पुराना और एशिया का सबसे पुराना फुटबॉल टूर्नामेंट है।
- यह पहली बार 1888 में हिमाचल प्रदेश के डगशाई में आयोजित किया गया था।

स्रोत: TOI

AFI 7 अगस्त को राष्ट्रीय भाला फेंक दिवस के रूप में मनाएगा

- **भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (AFI)** ने घोषणा की है कि हर साल 7 अगस्त को राष्ट्रीय भाला फेंक दिवस के रूप में मनाया जाएगा।
- यह दिन **भारतीय एथलीट (भाला फेंक) नीरज चोपड़ा की टोक्यो 2020 में ओलंपिक खेलों** में देश का पहला एथलेटिक्स स्वर्ण पदक जीतने की उपलब्धि का जश्न मनाएगा।

नोट: AFI ने 2018 में **राष्ट्रीय ओपन भाला फेंक चैंपियनशिप** शुरू की थी और इसका तीसरा संस्करण इस वर्ष अक्टूबर में निर्धारित है।

स्रोत: द हिंदू

gradeup

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now